प्रेस विज्ञप्ति

तटरक्षक द्वारा 06 अंडमान मछुवारों की स्वदेश वापसी,
सुदूर श्रीलंका तट पर संकटग्रस्त नौका पाई गई

करैकल-10 जनवरी 17 09 जनवरी 17 को 1010 बजे अंतर्राष्ट्रीय समुद्री सीमा रेखा पर भारतीय तटरक्षक पोत रानी दुर्गावती द्वारा अंडमान एवं निकोबार द्वीप के 06 भारतीय मछुवारों सहित मत्स्य नौका फाहिमा फाहेदा (पंजीकरण संख्या IND/AN/SA/MM/1013) की श्रीलंका से स्वदेश वापसी करायी गई ।

पोर्ट ब्लेयर में पंजीकृत नौका 27 नवंबर 16 को दक्षिणी अंडमान से चली थी तथा 'वरडाह' तूफान के कारण मुसीबत में फंस गई थी । 12 दिसंबर 16 से ही पोत लापता थी । तद्नुसार एमआरसीसी (पोर्ट ब्लेयर) ने खोज एवं बचाव अभियान के प्रयासों की शुरूआत की तथा गायब नौका के लिए सभी संबंधित लोगों को सचेत किया गया । अंतत्तोगत्वा श्रीलंका की नौसेना ने 05 जनवरी 17 को सुदूर पोडुवकैट्टू सागर तट (150 मुलैतिवु) में 06 कर्मियों सहित संकटग्रस्त नौका को खोज निकाला । नौका का इंजन खराब हो गया था । नौका को श्रीलंका नौसेना द्वारा खींचकर कनकेसंतुरई तक लाया गया तथा 09 जनवरी 17 को अंतर्राष्ट्रीय समुद्री सीमा पर उनकी स्वदेश वापसी करते हुए भारतीय तटरक्षक को सौंप दिया गया ।

तटरक्षक पोत रानी दुर्गावती पर स्वदेश के लिए वापस सभी कर्मियों को लेकर उनकी चिकित्सीय जांच कराई गई, सभी कर्मी स्वस्थ पाये गये ।

भारतीय तटरक्षक पोत रानी दुर्गावती में स्वदेश वापसी हुए मछुवारों को चढ़ाया गया तथा पोत 09 जनवरी 17 को 2130 बजे करैकल बंदरगाह पहुँची । कार्यकारी प्रभारी, तटरक्षक स्टेशन करैकल, संयुक्त निदेशक मात्स्यिकी नागापत्तिनम तथा उप निदेशक मत्स्यिकी, करैकल द्वारा उन सभी का करैकल बंदरगाह पर स्वागत किया गया । मरम्मत के पश्चात्, नौकास्वामी द्वारा उसे पोर्ट ब्लेयर पोर्ट तक ले जाने की व्यवस्था करने तक नौका को करैकल मात्स्यिकी प्राधिकारी के देख-रेख में रखने का निर्णय लिया गया । मात्स्यिकी प्रशासन पोर्ट ब्लेयर ने मरम्मत के लिए आवश्यक व्यवस्था करने तथा उसे आगे पोर्ट ब्लेयर तक ले जाने की योजना बनाने के लिए दो मात्स्यिकी प्रतिनिधियों को नियुक्त किया । वर्ष 2016 के दौरान श्रीलंका प्राधिकारियों से तटरक्षक पोत द्वारा 288 मछुवारों की स्वदेश वापसी कराई गई है ।